एस० एस० कॉलेज जहानाबाद ।
विभाग - हिन्दी
विषय : हिन्दी रचना पत्र
वर्ग स्नातक भाग - 1
शिक्षण माध्यम - वाट्स एप
समय : 11 बजे से 12 बजे तक
शिक्षक - डॉ. रमेश शर्मा
पाठ —

पाठ - मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

प्रिय छात्र - छात्राओं ।

आप सभी मुहावरे से अवश्य परिचित होंगे क्योंकि इसे स्कूली कक्षाओं में आपने पढ़ा होगा और इन्टर की कक्षाओं में भी। मैं यह भूमिका इसलिए रच रहा हूँ कि मेरा भी इस सम्बन्ध में जो अनुभव है वह भी खासकर प्रायः विद्यार्थियों की कापियाँ जब मूल्यांकन के दौरान देखता हूँ तो देखता हूँ कि प्रायः विद्यार्थी मुहावरे का अर्थ भी लिखते हैं और वाक्य में प्रयोग के समय भूल कर बैठते हैं। स्नातक की इस कक्षा के बाद आपको मुहावरा नहीं पढ़ना है इसलिए बहुत जरूरी हो जाता है कि पहले मुहावरा को ठीक से समझें तब वाक्य में प्रयोग करें। चूंकि प्रश्न मुहावरों के वाक्य में प्रयोग से ही संबंधित रहता है इसलिए मुहावरे को प्रायः बिना समझे प्रयोग में ले आते हैं। इसे समझने के लिए इसकी परिभाषा पर ध्यान देना आवश्यक है।

परिभाषा :— ऐसा वाक्यांश जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराये, 'मुहावरा' कहलाता है। यह परिभाषा डॉ. वासुदेव नन्दन की 'संस्कृत-हिन्दी व्याकरण और रचना' पुस्तक में लिखित है।

to fly.

इस परिभाषा में 'विलक्षण अर्थ प्रतीति' कराने को मुहावरे कहा जाता है सामान्य अर्थ छोड़कर। विलक्षण शब्द का अर्थ है — अलौकिक, असाधारण, भिन्न चिह्नों वाला; जिसमें कोई विशेष लक्षण रहे, वह अवस्था जिसका कोई कारण न हो, और वह अवस्था जिसका कोई कारण ज्ञात न पड़े।

यहाँ ध्यातव्य यह है कि जैसे ही कोई वाक्य सामान्य अर्थ को छोड़कर विलक्षण अर्थ की प्रतीति अथवा एहसास करवाता उसे मुहावरा कहेंगे। विलक्षण के जो ऊपर अर्थ दिखलाए गये हैं वे सभी संदर्भों पर निर्भर करते हैं। इस प्रकार मुहावरे को वाक्य में प्रयोग करने के लिए संदर्भों के निर्माण पर आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि उपर्युक्त भिन्न-भिन्न अर्थ के लिए भिन्न-भिन्न संदर्भ वाली वाक्य गढ़ने की आवश्यकता होगी। यह आपकी वाक्य संरचना पर बहुत निर्भर करता है।

उदाहरण के लिए 'नौ दो ग्यारह होना' मुहावरे का वाक्य में जब प्रयोग करना होता है तब सामान्य अर्थ के परे विलक्षण अर्थ हमलोग लेते हैं — 'भाग-जाना' के अर्थ में। यहाँ 'भाग-जाना' कहाँ से नौ दो ग्यारह का अर्थ आया पता नहीं चलता। इसका कोई कारण नहीं दीखता। इसलिए इसे पारिभाषिक शब्द भी कहते हैं। पारिभाषिक शब्द से तात्पर्य रूढ़ शब्द से है जो नौ-दो-ग्यारह में रूढ़ हो गया है। हिन्दी में मुहावरा एक पारिभाषिक शब्द बन गया है। इससे भाषा में सरलता, सरसता, चमत्कार और प्रवाह उत्पन्न होते हैं। इसका तात्पर्य यह कि किसी बात को खूबसूरती करना ताकि सुननेवाला समझ भी जाय और प्रभावित भी हो। इसकी कुछ विशेषताएँ भी हैं जिसे अगली कक्षा में लिया करेंगे। तबतक आप इसपर मनन करें।

[illegible]
6.7.20

to fly.